औषधीय पौधों के प्रमाणीकरण पर कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 16.03.2021 को भारतीय गुणवत्ता परिषद, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वार पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज की सहभागिता से ,कृषि विज्ञान केंद्र, प्रतापगढ़ में औषधि पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना (VCSMPP) के द्वारा उत्तम कृषि पद्धतियाँ (good agricultural practices) विषय पर जागरूकता हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ0 संजय सिंह, केंद्र प्रमुख के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ।

कार्यक्रम के स्वागत भाषण में केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यशाला आयोजन सचिव डॉ अनीता तोमर ने भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए उन्नत कृषि पद्धतियों व कार्य क्षेत्र संग्रह पर विस्तृत चर्चा की। डॉ0 संजय सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रमाणीकरण हेतु अग्रसर होने वाले क्षेत्रीय किसानों का आह्वान किया जिससे इस क्षेत्र की स्थिति प्रत्येक दृष्टि से सुदृढ़ हो सके साथ ही साथ उन्होने औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना के अंतर्गत उत्तम कृषि से सम्बंधित औषधीय पौधों की खेती, मूल्यांकन, प्रबंधन, पैकेजिंग व भंडारण, उपकरण व औजार के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।

कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए शिवेश शर्मा, कार्यकारी अधिकारी, भारतीय गुणवत्ता परिषद ने औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना की भूमिका और परिचय में औषधीय पादप व्यापार का वर्तमान परिदृश्य गुणवत्ता एवं व्यापार को बढाने में राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड तथा भारत की गुणवत्ता परिषद के संयुक्त प्रयास से अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ0 ए0के0 श्रीवास्तव, ने औषधीय खेती में कृषि विज्ञान केंद्र प्रतापगढ़ के कृषको की वर्तमान स्थिति केंद्र की भूमिका से अवगत कराया तथा डॉ0 भास्कर शुक्ला, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र, ने औषधीय पौधों की कुछ लाभकारी प्रजातियों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में कार्यक्रम की सह-सचिव डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती और उनके विपणन पहलुओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम के अंत मे उपस्थित प्रतिभागियो को प्रमाणपत्र वितरित किये गए। सुश्री जयती पटवाल, प्रशासनिक अधिकारी, भारतीय गुणवत्ता परिषद ने कार्यक्रम समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वन अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ0 एस0डी0 शुक्ला के साथ केंद्र के शोधार्थी छात्र आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

Voluntary Certification Scheme for Medicinal Plants Produce
GAP TRAINING WORKSHOP
16.03.2021
collaboration with
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION, PRAYAG
Krishi Vigyan Kendra, Pratapgarh
Forest Research Centre
Prayagraj

Voluntary Certification Scheme for Medicinal Plants Produce
GAP TRAINING WORKSHOP
16.03.2021
collaboration with
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION, PR
Krishi Vigyan Kendra, Pratapgarh

Voluntary Certification Scheme for Medicinal Plants Produce

Voluntary Certification Scheme for Medicinal Plants Produce
GAP TRAINING WORKSHOP
16.03.2021

Voluntary Certification Scheme for Medicinal Plants Produce
GAP TRAINING WORKSHOP
16.03.2021
in collaboration with
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION, PRAYAGRAJ

औषधीय पौधों के प्रमाणीकरण पर कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज। भारतीय गुणवत्ता परिषद, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा इनके सहभागी संस्थान पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज जो पूरे उत्तर प्रदेश में वानिकी से सम्बंधित कार्य कर रही है, के माध्यम से कृषि विज्ञान केंद्र, प्रतापगढ़ में औषधि पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना द्वारा उत्तम कृषि कार्य विषय पर सह-संवेदीकरण क्षमता निर्माण सम्बंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि केन्द्र प्रमुख डॉ.संजय सिंह ने प्रमाणीकरण हेतु अग्रसरित होने वाले क्षेत्रीय किसानों का आह्वान किया। जिससे इस क्षेत्र में देश की स्थिति प्रत्येक दृष्टि से सुदृढ़ हो सके। केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यशाला आयोजन सचिव डॉ. अनीता तोमर ने भारतीय गुणवत्ता परिषद से अवगत कराते हुए उन्न्त कृषि पद्धतियों व कार्य क्षेत्र संग्रह पर चर्चा की। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कार्यकारी अधिकारी, भारतीय गुणवत्ता परिषद शिवेश शर्मा ने औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना में औषधीय पादप व्यापार का वर्तमान परिदृश्य गुणवत्ता एवं व्यापार को बढ़ाने में राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के हस्तक्षेप तथा समर्थन में भारत की गुणवत्ता परिषद, योजना व तत्वों की उत्पत्ति में शाषी संरचना एवं प्रमाणित मानदण्ड से अवगत कराया।

प्रशासनिक अधिकारी, भारतीय गुणवत्ता परिषद जयती पटवाल ने औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना के अंतर्गत उत्तम कृषि कार्य के तत्व से सम्बंधित औषधीय पौधों की खेती का दायरा, आवश्यकताओं एवं मूल्यांकन मानदण्ड में चयन-मिट्टी की स्थिति, बीज-कृषि अभ्यास, कटाई एवं कटाई के बाद का प्रबंधन पैकेजिंग व भंडारण, उपकरण व औजार के बारे में जानकारी दी। तत्पश्चात उन्होंने फसल प्रबंधन में मोनोग्राफविकसित करने के लिए मॉडल संरचना के साथ कटाई तथा प्राथमिक प्रसंस्करण के बारे में भी अवगत कराया।

अंत में पैकेज भंडारण-मशीनरी अंतर के क्रम में पहचान एवं खोज तथा कर्मियों और उपकरण से रूबरू कराया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख डॉ. ए.के श्रीवास्तव ने औषधीय क्षेत्र में प्रतापगढ़ केंद्र की भूमिका से एवं वैज्ञानिक डॉ.भास्कर शुक्ला ने औषधीय पौधों की कुछ प्रजातियों से अवगत कराया। कार्यक्रम की सह सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती से लोगों को अवगत कराते हुए उनके विपणन पहलुओं एवं संचालन पर भी चर्चा किया। वन अनुसंधान केंद्र की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी शुक्ला के साथ केंद्र के शोधार्थी छात्र आदि उपस्थित रहे।

औषधीय पौधों के प्रमाणीकरण पर कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज(नि.सं)।भारतीय गुणवत्ता परिषद, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा इनके सहभागी संस्थान पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज जोकि पूरे उत्तर प्रदेश में वानिकी से सम्बंधित कार्य कर रही है, के माध्यम से कृषि विज्ञान केंद्र, प्रतापगढ़ में औषधि पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना (ब्नएश्इझ) के द्वारा उत्तम कृषि कार्य विषय पर सह-संवेदीकरण क्षमता निर्माण सम्बंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ0 संजय सिंह, केंद्र प्रमुख के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ। कार्यक्रम के स्वागत भाषण में केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यशाला आयोजन सचिव डॉ अनीता तोमर ने भारतीय गुणवत्ता परिषद (ष्ण) से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए उन्नत कृषि पद्धतियों व कार्य क्षेत्र संग्रह पर विस्तृत चर्चा की। डॉ0 संजय सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रमाणीकरण हेतु अग्रसरित होने वाले क्षेत्रीय किसानों का आह्वान किया जिससे इस क्षेत्र में देश की स्थिति प्रत्येक दृष्टि से सुदृढ़ हो सके। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए शिवेश शर्मा, कार्यकारी अधिकारी, भारतीय गुणवत्ता परिषद ने औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना की भूमिका और परिचय में औषधीय पादप व्यापार का वर्तमान परिदृश्य गुणवत्ता एवं व्यापार को बढाने में राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के हस्तक्षेप तथा समर्थन में भारत की गुणवत्ता परिषद, योजना व तत्वों की उतपत्ति में शाषी संरचना एवं प्रमाणित मानदण्ड से अवगत कराया। जयती पटवाल, प्रशासनिक अधिकारी, भारतीय गुणवत्ता परिषद ने औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना के अंतर्गत उत्तम कृषि कार्य के तत्व से सम्बंधित औषधीय पौधों की खेती का दायरा, आवश्यकताओं एवं मूल्यांकन मानदण्ड में साइट चयन/मिट्टी की स्थिति, बीज/कृषि अभ्यास, कटाई एवं कटाई के बाद का प्रबंधन पैकेजिंग व भंडारण, उपकरण व औजार के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई तत्पश्चात उन्होंने फसल के अंतर हेतु खेती के लिए फसल प्रबंधन में मोनोग्राफ विकसित करने के लिए मॉडल संरचना के साथ कटाई तथा प्राथमिक प्रसंस्करण के बारे में भी अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में पैकेज भंडारण/मशीनरी अंतर के क्रम में पहचान एवं खोज तथा कमिर्यों और उपकरण से रूबरू कराया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख डॉ0 ए0के0 श्रीवास्तव, ने औषधीय क्षेत्र में प्रतापगढ़ केंद्र की भूमिका से अवगत कराया। डॉ0 भास्कर शुक्ला, वैज्ञानिक ने औषधीय पौधों की कुछ प्रजातियों से अवगत कराया। कार्यशाला में कार्यक्रम की सह-सचिव डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती विषय से लोगों को अवगत कराते हुए उनके विपणन पहलुओं एवं संचालन पर भी चर्चा किया। वन अनुसंधान केंद्र की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ0 एस0डी0 शुक्ला के साथ केंद्र के शोधार्थी छात्र आदि उपस्थित रहे।

KT KAUSHAMBI TIMES
हिन्दी दैनिक कौशाम्बी टाइम्स
प्रयागराज, बुधवार, 17 मार्च, 2

औषधीय पौधों के प्रमाणीकरण पर कार्यशाला का आयोजन

प्रयागराज(नि.सं)।भारतीय गुणवत्ता परिषद, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा इनके सहभागी संस्थान पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज जोकि पूरे उत्तर प्रदेश में वानिकी से सम्बंधित कार्य कर रही है, के माध्यम से कृषि विज्ञान केंद्र, प्रतापगढ़ में औषधि पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना (ब्नएश्इझ) के द्वारा उत्तम कृषि कार्य विषय पर सह-संवेदीकरण क्षमता निर्माण सम्बंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ0 संजय सिंह, केंद्र प्रमुख के साथ अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ। कार्यक्रम के स्वागत भाषण में केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यशाला आयोजन सचिव डॉ अनीता तोमर ने भारतीय गुणवत्ता परिषद (ष्ण) से प्रतिभागियों को अवगत कराते हुए उन्नत कृषि पद्धतियों व कार्य क्षेत्र संग्रह पर विस्तृत चर्चा की। डॉ0 संजय सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रमाणीकरण हेतु अग्रसरित होने वाले क्षेत्रीय किसानों का आह्वान किया जिससे इस क्षेत्र में देश की स्थिति प्रत्येक दृष्टि से सुदृढ़ हो सके। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए शिवेश शर्मा, कार्यकारी अधिकारी, भारतीय गुणवत्ता परिषद ने औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना की भूमिका और परिचय में औषधीय पादप व्यापार का वर्तमान परिदृश्य गुणवत्ता एवं व्यापार को बढाने में राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के हस्तक्षेप तथा समर्थन में भारत की गुणवत्ता परिषद, योजना व तत्वों की उतपत्ति में शाषी संरचना एवं प्रमाणित मानदण्ड से अवगत कराया। जयती पटवाल, प्रशासनिक अधिकारी, भारतीय गुणवत्ता परिषद ने औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना के अंतर्गत उत्तम कृषि कार्य के तत्व से सम्बंधित औषधीय पौधों की खेती का दायरा, आवश्यकताओं एवं मूल्यांकन मानदण्ड में साइट चयन/मिट्टी की स्थिति, बीज/कृषि अभ्यास, कटाई एवं कटाई के बाद का प्रबंधन पैकेजिंग व भंडारण, उपकरण व औजार के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई तत्पश्चात उन्होंने फसल के अंतर हेतु खेती के लिए फसल प्रबंधन में मोनोग्राफ विकसित करने के लिए मॉडल संरचना के साथ कटाई तथा प्राथमिक प्रसंस्करण के बारे में भी अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में पैकेज भंडारण/मशीनरी अंतर के क्रम में पहचान एवं खोज तथा कमिर्यों और उपकरण से रूबरू कराया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख डॉ0 ए0के0 श्रीवास्तव, ने औषधीय क्षेत्र में प्रतापगढ़ केंद्र की भूमिका से अवगत कराया। डॉ0 भास्कर शुक्ला, वैज्ञानिक ने औषधीय पौधों की कुछ प्रजातियों से अवगत कराया। कार्यशाला में कार्यक्रम की सह-सचिव डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती विषय से लोगों को अवगत कराते हुए उनके विपणन पहलुओं एवं संचालन पर भी चर्चा किया। वन अनुसंधान केंद्र की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ0 एस0डी0 शुक्ला के साथ केंद्र के शोधार्थी छात्र आदि उपस्थित रहे।